प्रभु के सिवा कहीं दिल ना लगाना

????श्री हरिदा????
तरज़:-परदेसियों से ना अंखियॉं
मिलाना
प्रभु के सिवा कहीं,दिल ना लगाना-2
नहीं तो पड़ेगा तुझे-2,आंसू बहाना
प्रभु के.....
1.जिसने प्रभु का गुणगान किया है,
सच्चा जीवन उसी ने जीया है,
सुमिरन के बल से है-2,मुक्ति को
पाना
प्रभु के.....
2.बचपन बिता अब तूँ जवॉं हैं,
बीत गया है जो,समय वो कहाँ है,
सोच समझ के-2,समय तुँ बिताना,
प्रभु के.....
3.आया जहाँ से वहीं तुझको जाना,
वहां साथ जाए ना पैसा खजाना,
पूछेगा धसका तो-2,क्या
करोगे बहाना
प्रभु के सिवा कहीं,दिल ना लगाना
नहीं तो पड़ेगा तुझे-2,आंसू बहाना
प्रभु के....
रचना:-बाबा धसका पागल पानीपत
फोन:-7206526000

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33521/title/PRABHU-KE-SIVA-KAHIN-DIL-NA-LAGANA

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |